मूल्य 1 रु.
वर्षः 11 - अंक : 45, मुंबई, शनिवार, 27 मार्च, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

होली पर Special Discount
Valid on 27, 28, 29 March
गुंजिया (शुद्ध घी की) ₹ ~~660/-~~ 560/- Kg.
खमण ₹ ~~320/-~~ 240/- Kg.
भाकरवड़ी ₹ ~~340/-~~ 200/- Kg.
होली स्पेशल गिफ्ट हेम्पर व गुरूजी की ठण्डाई मिलेगी
Tel: 2889 9501 / 98208 99501
MM MITHAIWALA Malad (W)

एनसीबी की बड़ी कार्रवाई

मुंबई के सबसे बड़े ड्रग डीलर 'बटाटा' का बेटा गिरफ्तार

2 करोड़ रुपए की ड्रग्स और नोट गिनने की मिली मशीन

फारुख कभी सड़कों पर आलू बेचता था, इसलिए उसे लोग फारुख बटाटा कहने लगे, अब वह मुंबई की सेलिब्रिटीज को ड्रग सप्लाई करता है, सोने से लदा, बना मुंबई का सबसे बड़ा ड्रग्स सप्लायर

फारुख का दूसरा बेटा भी है बड़ा ड्रग्स सप्लायर

संवाददाता

मुंबई। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने गुरुवार देर रात एक बड़ी कार्रवाई करते हुए मुंबई के सबसे बड़े ड्रग सप्लायर फारुख बटाटा के बेटे शादाब को गिरफ्तार किया। ब्यूरो ने देर रात मुंबई में तीन जगहों पर एनसीबी ने छापा मारा था। शादाब के पास से दो करोड़ रुपए मूल्य की ड्रग्स, एक लग्जरी कार और एक कैश काउंटिंग मशीन बरामद हुई है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

फारुख बटाटा बान्द्रा से मीरा रोड तक ड्रग सप्लाई करता है। यही नहीं बटाटा का अवैध गुटखा का बिजनेस भी है

सुशांत केस में भी आया था नाम

मुंबई में एमडीएमए के अलावा विदेशों से आने वाली ड्रग जैसे एलएसडी, गांजा, बड, कोकीन का सबसे बड़ा सप्लायर फारुख ही है। ऐसे में उसके बेटे की गिरफ्तारी एनसीबी के लिए एक बड़ी कामयाबी मानी जा रही है। एनसीबी का मानना है कि मुंबई की हर बड़ी ड्रग्स पार्टीज में वह ड्रग्स सप्लाई करता है। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत ड्रग्स एंगल केस में भी इसका नाम आया था।

7 फरवरी को चिंकू पठान हुआ था गिरफ्तार: एक दिन पहले एनसीबी ने ड्रग पैडलर्स के खिलाफ मुंबई के अंधेरी और डोंगरी इलाके में छापेमारी की थी। इससे पहले 7 फरवरी को भी अंधेरी और डोंगरी इलाके में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने छापेमारी की थी। इसमें भगोड़े माफिया सरगना दाऊद इब्राहिम के गुर्गे परवेज खान उर्फ चिंकू पठान को गिरफ्तार करने में सफलता मिली थी।

महाराष्ट्र में कल से नाइट कर्फ्यू

शॉपिंग मॉल्स रात 8 से सुबह 7 तक रहेंगे बंद, केस बढ़ने पर डीएम अपने शहर में लगा सकते हैं लॉकडाउन

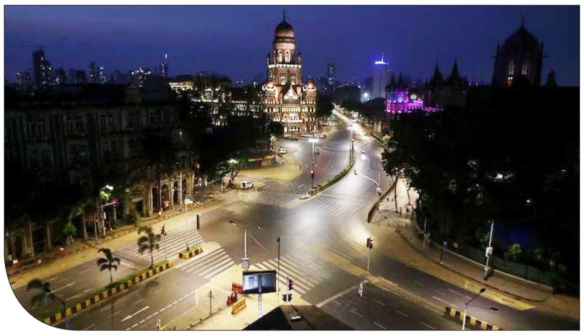

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में कोरोना के बढ़ते खतरे को देखते हुए 28 मार्च से पूरे राज्य में नाइट कर्फ्यू का एलान कर दिया गया है। इस दौरान लॉकडाउन के प्रतिबन्धात्मक नियम कड़ाई से लागू करने के निर्देश मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार को दिए हैं। कर्फ्यू के दौरान सभी शॉपिंग मॉल्स रात 8 बजे से सुबह 7 बजे तक बंद रहेंगे। सीएम ने सभी जिलाधिकारियों को यह भी निर्देश दिया है कि वे अपने जिले की स्थित को देखते हुए चाहे तो पूरे दिन का कर्फ्यू भी लगा सकते हैं। (शेष पृष्ठ 3 पर)

खतरा टला नहीं, बढ़ गया है

बैठक के दौरान सीएम ने कहा कि ब्रिटेन जैसे देश में दूसरी लहर के बाद और ढाई महीने के लॉकडाउन के बाद वे धीरे-धीरे चीजों को फिर से खोल रहे हैं। हमारे यहां भी अब यही स्थिति बन रही है। जनता को यह महसूस करने की जरूरत है कि खतरा दूर नहीं हुआ है, यह बढ़ गया है। रोगियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, यह कहना संभव नहीं है कि आने वाले समय में इसकी संख्या कितनी बढ़ जाएगी। ऐसे में सख्त उपायों पर विचार करने की जरूरत है।

वर्धा में आज से 60 घंटे का लॉकडाउन, नियम तोड़ने पर दो हजार का जुर्माना

वर्धा में कोरोना के लगातार बढ़ते मामलों को देखते हुए जिला प्रशासन ने बड़ा फैसला ले लिए लिया है। इसके तहत शहर में शनिवार (27 मार्च) से पूरे 60 घंटे तक लॉकडाउन लागू रहेगा। एक अधिकारी ने बताया कि जिले में कोविड-19 के मामलों में आए उछाल को देखते हुए बृहस्पतिवार को एक आदेश जारी किया गया। इस आदेश में जिला कलेक्टर प्रेरणा देशभट्ट ने कहा, शनिवार सुबह आठ बजे से मंगलवार सुबह आठ बजे तक जिले में 60 घंटे का लॉकडाउन लगाया जाएगा। लॉकडाउन के दौरान सभी आवश्यक दुकानें, मेडिकल स्टोर और एमआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र खुले रहेंगे। गौरतलब है जिले में लॉकडाउन का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई का भी प्रावधान है।

हमारी बात

सेना में हक

हमारी सेनाओं में महिलाओं की भूमिका पर देश की सर्वोच्च अदालत ने जो टिप्पणी की है, वह न केवल सुखद, बल्कि प्रशंसनीय भी है। सर्वोच्च न्यायालय ने गुरुवार को महिलाओं के स्थाई कमीशन पर सेना के मानकों को बेतुका और मनमाना बताया है। वैसे तो दिल्ली उच्च न्यायालय ने लगभग ग्यारह साल पहले ही सेना में महिलाओं को स्थाई कमीशन देने का फैसला सुना दिया था, लेकिन हकीकत यही है कि वह फैसला अभी भी पूरी तरह लागू नहीं हुआ है। इस दिशा में साल 2019 में काम चालू हुआ, लेकिन साल 2020 में सुप्रीम कोर्ट को फिर एक बार व्यवस्था देनी पड़ी कि सेना में महिलाओं के साथ किसी तरह का भेदभाव न किया जाए। अफसोस इसके बाद भी महिलाओं को अपने हक के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ा और अब सुप्रीम कोर्ट ने सेना, सरकार व समाज के नजरिए पर जो टिप्पणी की है, वह मील के पत्थर की तरह है। अदालत ने तल्खी के साथ कहा है कि भारतीय समाज का ढांचा ऐसा है, जो पुरुषों द्वारा और पुरुषों के लिए बना है। आज के समय में भी अगर यह बात सुप्रीम कोर्ट के स्तर पर समझाने की जरूरत पड़ रही है, तो यह त्रासद है। वाकई, महिलाओं को उनके पूरे हक मिलने चाहिए, पुरुषों को कोई हक नहीं कि वे फैसले महिलाओं पर थोपें। इसके साथ ही कोर्ट ने सेना को दो महीने के भीतर 650 महिलाओं की अर्जी पर पुनर्विचार करते हुए स्थाई कमीशन देने के लिए कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने पाया कि सेना में शॉर्ट सर्विस कमीशन में तैनात महिलाओं की क्षमता के आकलन का जो तरीका है, वह मनमाना और बेतुका है। यह तरीका सही होता, तो महिला अधिकारियों को सुप्रीम कोर्ट में अर्जी लगाने की जरूरत नहीं पड़ती। कोर्ट ने अपने 137 पृष्ठों के फैसले में यह भी कहा है कि कुछ ऐसी चीजें हैं, जो कभी नुकसानदायक नहीं लगती हैं, लेकिन जिनमें पितृ-सत्तात्मक व्यवस्था के कपट के संकेत मिलते हैं। महिलाओं के पक्ष में सुप्रीम कोर्ट का ऐसे खड़ा होना ऐतिहासिक है, क्योंकि एकाधिक फैसलों में हमने कुछ जजों को पितृ-सत्तात्मक होते देखा है। बहरहाल, गुरुवार को शीर्ष अदालत जिस तरह स्त्रियों के पक्ष में खड़ी दिखी, उससे निश्चित ही महिलाओं को आगे के संघर्ष के लिए बुनियादी मनोबल हासिल होगा। सेना को आने वाले दिनों में अपने मानदंड सुधारने पड़ेंगे। यह धारणा पुरानी है कि महिलाओं का सेना में क्या काम। जब महिलाएं हर मोर्चे पर तैनाती के लिए तैयार हैं, तब उन्हें कौन किस आधार पर रोक सकेगा? जो योग्य महिलाएं हैं, जिनकी सेना में बने रहने की दिली तमन्ना है, उन्हें दस या बीस साल की नौकरी के बाद खोना नहीं चाहिए। उन्हें अफसर बनाकर उनके अनुभव का पूरा लाभ लेना चाहिए और पुरुषों के लिए तय उम्र में ही रिटायर करना चाहिए। उनको आगे बढ़ने से रोकने के लिए अलग मानदंड बनाना और तरह-तरह के बहानों से उनको कमांड या जिम्मेदारी देने की राह में बाधा बनना पुरुषवाद तो है ही, संविधान की अवहेलना भी है। बेशक, हर महिला मोर्चे पर नहीं जाएगी, लेकिन जो महिला जाना चाहेगी, उसे जाने देना ही सही न्याय है। बदले समय के साथ अब सेना की मानसिकता में बदलाव जरूरी है। हमारी सेना में महिलाओं की यथोचित भागीदारी उसे ज्यादा शालीन, सामाजिक, योग्य और कारगर ही बनाएगी।

'अच्छा हिंदू' जाए विदेश, बने 'अद्भुत'!

उफ! कैसी यह हिंदूशाही?-5ः मैंने इस सीरिज की पहली किस्त में दिल-दिमाग को गौरवान्वित बनाने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन द्वारा नासा वैज्ञानिक स्वाति मोहन से कही यह बात लिखी थी कि- आप भारतीय 'अद्भुत' हैं। आप, मेरी उप राष्ट्रपति, मेरे स्पीच राइटर सभी भारतीय मूल के हैं। भारतीय-अमेरिकी देश का भार उठा रहे हैं। क्या गजब बात लेकिन ठीक विपरीत मौजूदा हिंदूशाही वाला भारत! अंबानी सुरक्षित नहीं, प्रताप भानु मेहता जैसों की बौद्धिधकता का सम्मान नहीं, 21 साला दिशा रवि के युवा एक्टिविज्म पर देशद्रोह का लांछन, तापसी पन्नू पर छापा और सत्यवादी हिंदू की अभिव्यक्ति-आजादी-ज्ञान-सत्य-समान अवसर की सनातनी चाह पर या तो ताला या झूठ का बोलबाला! आप सोच सकते हैं, कह सकते हैं सब फालतू बातें! लेकिन जरा ईर्द-गिर्द की हकीकत, व्हाट्सअप-सोशल मीडिया की मूर्ख बातों, भक्ति, जीवन जीने के अंधविश्वासों, प्रवृत्तियों पर गौर करें तो क्या लगेगा नहीं कि यह जीना भी क्या जीना है।

मैं फिलहाल भक्ति, अशिक्षा-अंधकार के अभ्यस्त लोगों पर सोचते हुए नहीं हूं बल्कि उन सनातनी-जागरूक-अच्छे हिंदुओं के उस अंश, उस हिस्से की चिंता करते हुए हूं, जिनसे दुनिया में पहचान 'अद्भुत भारतीयों' की है। दुनिया में यदि दो-ढाई करोड़ भारतवंशी अपनी अलग पहचान के साथ अच्छा जीवन जीते हुए हैं, डॉक्टर-इंजीनियर-प्रोफेसर-नेता (उप राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री से लेकर रक्षा मंत्री, वित्त मंत्री, सासंद आदि)-उद्योगपति-अफसर सब वहां 'अद्भुत' योगदान देते हुए हैं तो ऐसा होना सनातनी हिंदू संस्कारों की क्या वह बुनावट नहीं हैं जिसे मौजूदा हिंदूशाही झूठ, पाखंड, अशिक्षा, लंगूरीपने से नष्ट-भ्रष्ट कर रही है। हां, सनातनी हिंदू ने लोकतंत्रवादी-खुले-आजाद-सभ्य समाज व्यवस्था में जो कमाल किया है वह किसी और सभ्यता के लोगों का नहीं है। अमेरिका-कनाडा-ऑस्ट्रेलिया में यूरोप के अलग-अलग देशों के ईसाई सभ्यता के बाशिंदों ने जाकर यदि अपने को बनाया, देशों को बनाया तो वह साझा सभ्यतागत संस्कारों के सहोदरों की बात है जबकि हिंदुओ-सिखों ने अमेरिका-कनाडा-ब्रिटेन-मॉरीशस जैसे कई देशों में

प्रधानमंत्री, उप राष्ट्रपति, रक्षा मंत्री, वित्त मंत्री का जो शीर्ष नेतृत्व पाया, पूंजीपति कंपनियों का जैसा नेतृत्व किया वैसा क्या चीन, मुस्लिम देशों से गए मूलवंशियों का है? तभी यह फर्क क्या बताता हुआ है? अपना निष्कर्ष है, थीसिस है कि यदि सनातनी हिंदू अपने कुंए से बाहर निकले, वह पंख फैला कर उड़े तो उसकी मंजिलों के मील के पत्थर एक के बाद एक अनंत हैं! वह भारत में घुटता, गुलाम रहेगा जबकि बाहर खिलेगा, उड़ेगा!

मैं भटका हूं। मूल बात पर लौटूं तो सोचा जाए कि प्रताप भानु मेहता, दिशा रवि, तापसी पन्नू या राजद्रोह-देशद्रोह के आरोपों में जेलों में बंद वामपंथी हिंदू क्या भारत के बाहर अच्छा, गरिमापूर्ण जीवन जीते हुए नहीं होते? नीरद चौधरी ने नेहरू राज से क्षोभ में भारत छोड़ ऑक्सफोर्ड में बसने का फैसला किया और वहां बैठ कर लिखा तो वे अद्भुत बने या नहीं बने? ऐसे असंख्य उदाहरण हैं, जिनसे प्रमाणित होता है कि जिन्होंने भारत छोड़ विदेश में बसने का फैसला किया उन्होंने मानव जीवन की श्रेष्ठता भोगी। मैं 1984 की पहली ब्रिटेन यात्रा से इस राय का रहा हूं कि धन्य हैं वे सनातनी हिंदू, जिन्होंने ब्रिटेन में बसने का फैसला किया। बाद में मैंने असंख्य लोगों, बीबीसी में काम कर रहे पत्रकारों से लेकर धार्मिक संस्थाओं के भक्तों, उद्यमियों, पेशेवरों को निजी तौर पर समझाया कि वहां की नागरिकता का जुगाड़ बनाओ और जा बसो। पत्रकारिता के अनुभव, राष्ट्र-राज्य और तंत्र की समझ बढ़ने के साथ-साथ मेरा यह आग्रह लगातार बढ़ा कि यदि संभव हो तो बच्चों की विदेश में पढ़ाई कराओ और उनका वहीं रहना संभव बनाओ।

क्यों? ताकि हजार साला गुलामी की अजस्त्र धाराओं से भरे-पटे कुंए की टर्र-टर्र से बाहर निकलना संभव हो। परिवार, खानदान, कुनबे में कोई तो ऐसा हो, जिससे अनुभूति बने, अहसास हो कि अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस के सभ्य समाजों में जीना कैसे होता है और प्रतिस्पर्धा के साथ अवसर में ज्ञान-विज्ञान-सत्य के बूते क्या-क्या किया जा सकता है? जरा विचार करें दिल्ली में लेडी इर्विन में बीएससी की पढ़ाई के बाद 1958 में श्यामला गोपालन के अमेरिका जाने के फैसले पर! तमिलनाडु के बाह्मण परिवार की श्यामला यदि भारत में रहती तो पहले तो उच्च शिक्षा-नौकरी में आरक्षण की बाधाएं थीं। फिर घर-परिवार के परंपरागत जीवन की बाध्यताएं थीं। मगर माता-पिता ने बेटी को उड़ने के लिए प्रोत्साहित किया और दस तरह की दिक्कतों, संघर्ष के बावजूद आजादी-अवसर की खुली उड़ान से उन्होंने वह जीवन जीया, जिसे याद करते हुए उनकी बेटी कमला हैरिस अपनी 'अद्भुतता' के बीच 'अमेरिकी अद्भुतता' में भाव विह्वल होती हैं। यह उदाहरण क्या बताता है? भारत में जीना विकल्पमय, अवसरमय, सत्यमय नहीं है। जुगाड़, कृपा, झूठ में जिंदगी खपानी है। एक वक्त मुझे लगता था कि देश और जीवन को बनवाने वाले अलग-अलग विचारों के विकल्प में जब हिंदू राजनीतिक दर्शन को मौका मिलेगा तो शायद हिंदुओं का जीना सुखमय बने। हिंदू मुक्त, निर्भीक, प्रतिस्पर्धी, विचारमना, बौद्धिक और सत्यवादी वैसे ही बनें, जैसे दुनिया के सभ्य-लोकशाही वाले राष्ट्रों के नागरिक हैं। मुझे यह कहने में संकोच नहीं है कि मैंने नरेंद्र मोदी-अमित शाह से उम्मीद पाली थी कि ये देश की तासीर बदल सकते हैं। लेकिन उलटा हुआ। देश ही झूठा, लंगूरी, भक्तिवादी, ओछा हो गया। इसलिए अनुभव जतला दे रहा है कि कुंद-मंद-गुलामी के हाकिमशाही कुएं से मुक्ति संभव नहीं है। राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ, भाजपा और नरेंद्र मोदी-अमित शाह का विकल्प आज यदि मूर्तरूप में भारत राष्ट्र-राज्य का पर्याय है तो इसमें नेहरू-इंदिरा, समाजवाद, क्रोनी पूंजीवाद याकि तमाम तरह के विकल्पों से जुदा कुछ भी वह नया नहीं है, जिससे समझदार-सनातनी हिंदुओं का पंख फड़फड़ा उड़ना संभव हो। और आश्चर्य नहीं जो पिछले सात सालों में अमीरों ने बड़ी संख्या में भारत छोड़ दूसरे देशों की नागरिकता लेने का रिकार्ड बनाया।

अमेरिकाः बंदूकबाजी कैसे रुके?

अमेरिका यों तो अपने आप को दुनिया का सबसे अधिक सभ्य और प्रगतिशील राष्ट्र कहता है लेकिन यदि आप उसके पिछले 300-400 साल के इतिहास पर नजर डालें तो आपको समझ में आ जाएगा कि वहां इतनी अधिक हिंसा क्यों होती है। पिछले हफ्ते अटलांटा और कोलेरोडो में हुई सामूहिक हत्याओं के बाद राष्ट्रपति जो बाइडन ने 'आक्रामक हथियारों' पर तत्काल प्रतिबंध की मांग क्यों की है ? पिछले एक साल में 43500 लोग बंदूकी हमलों के शिकार हुए हैं। हर साल अमेरिका में बंदूकबाजी के चलते हजारों निर्दोष, निहत्थे और अनजान लोगों की जान जाती है, क्योंकि वहां हर आदमी के हाथ में बंदूक होती है। अमेरिका में ऐसे घर ढूंढना मुश्किल है, जिनमें एक-दो बंदूकें न रखी हों। इस समय अमेरिका में लोगों के पास 40

करोड़ से ज्यादा बंदूकें हैं। बंदूकें भी ऐसी बनती हैं, जिन्हें पिस्तौल की तरह आप अपने जेकेट में छिपाकर घूम सकते हैं। बस, आपको किसी भी मुद्दे पर गुस्सा आने की देर है। जेकेट के बटन खोलिए और दनादन गोलियों की बरसात कर दीजिए। अब से ढाई-सौ तीन-सौ साल पहले जब यूरोप के गोरे लोग अमेरिका के जंगलों में जाकर बसने लगे तब वहां के आदिवासियों 'रेड-इंडियंस' के साथ उनकी जानलेवा मुठभेड़ें होने लगीं। तभी से बंदूकबाजी अमेरिका का स्वभाव बन गया। अफ्रीका के काले लोगों के आगमन ने इस हिंसक प्रवृत्ति को और भी तूल दे दिया। अमेरिकी संविधान में 15 दिसंबर 1791 को द्वितीय संशोधन किया गया जिसने अमेरिकी सरकार को फौज रखने और नागरिकों को हथियार रखने का बुनियादी अधिकार दिया। इस प्रावधान में 1994 में सुधार का प्रस्ताव जो बाइडन ने रखा। वे उस समय सिर्फ सीनेटर थे। क्लिंटन-काल में यह प्रावधान 10 साल तक चला। उस दौरान अमेरिका में बंदूकी हिंसा में काफी कमी आई थी। अब बाइडन 'आक्रामक हथियारों' पर दुबारा प्रतिबंध लगाना चाहते हैं और किसी भी हथियार खरीदने वाले की जांच-पड़ताल का कानून बनाना चाहते हैं। आक्रामक हथियार उन बंदूकों को माना जाता है, जो स्वचालित होती हैं और जो 10 से ज्यादा गोलियां एक के बाद एक छोड़ सकती हैं।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर,
एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन: **9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादकः **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

मुंबई में बड़ा हादसा

कोविड हॉस्पिटल में आग से 10 लोगों की मौत

पुलिस कमिश्नर ने कहा- मैनेजमेंट की लापरवाही सामने आई

मुंबई। मुंबई के भांडुप इलाके में एक मॉल की तीसरी मंजिल पर बने कोविड हॉस्पिटल में बुधवार रात करीब 12 बजे आग लग गई। हादसे में 10 लोगों की मौत हुई है। हॉस्पिटल में भर्ती 70 मरीजों को सुरक्षित निकाल लिया गया। इन्हें दूसरे अस्पताल में शिफ्ट किया गया है। फायर ब्रिगेड की 22 गाड़ियां आग बुझाने के लिए मौके पर भेजी गईं। हालात का जायजा लेने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे भी पहुंचे। उद्धव ठाकरे ने कहा कि जो भी लोग इस घटना के लिए जिम्मेदार पाए जाएंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि मरने वाले ज्यादातर मरीज वेंटिलेटर पर थे। साथ ही मृतकों के परिवारों को मुआवजा देने का वादा किया। उद्धव ने पीड़ित परिवारों के लिए संवेदना जाहिर कर माफी भी मांगी।

हॉस्पिटल का दावा- आग मॉल में लगी थी: मुंबई पुलिस कमिश्नर हेमंत नागराले ने कहा कि यह बहुत गंभीर घटना है। इसमें अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही सामने आई है। हम उनके खिलाफ मामला दर्ज करेंगे। इस बीच, बीएमसी ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं। वहीं हॉस्पिटल मैनेजमेंट का कहना है कि आग मॉल के पहले फ्लोर पर लगी थी, न कि हॉस्पिटल में। इसका धुआं टॉप फ्लोर पर बने हॉस्पिटल तक पहुंच गया। यहां कोरोना से जान गंवाने वाले 2 मरीजों के शव रखे थे। उन्हें भी निकाला गया था। आग से किसी को नुकसान नहीं पहुंचा है।

आग के कारणों का पता नहीं चला: मुंबई की मेयर किशोरी पेडनेकर ने कहा कि आग के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। उन्होंने कहा कि मैंने पहली बार मॉल में अस्पताल देखा है। इस मामले में एक्शन लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि अस्पताल में कोविड पेशेंट्स समेत 70 पेशेंट्स को दूसरे अस्पताल में शिफ्ट कर दिया गया है।

पहले भी हो चुके कोविड हॉस्पिटल में हादसे: इससे पहले पिछले साल 27 नवंबर को गुजरात के राजकोट जिले के एक कोविड अस्पताल में आग लगी थी। हादसे में पांच कोरोना मरीजों की जलकर मौत हो गई थी। हॉस्पिटल में 33 कोरोना मरीजों का इलाज चल रहा था। मशीनरी में शॉर्ट सर्किट को आग लगने की वजह बताया गया था। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने हादसे की जांच के आदेश दिए थे। पिछले साल 21 नवंबर को ग्वालियर संभाग के सबसे बड़े अस्पताल जयारोग्य के कोविड केयर सेंटर के आईसीयू में आग लग गई थी। वहां भर्ती 9 मरीजों में से 2 मामूली झुलस गए थे। आग से मची अफरातफरी में दो मरीजों की मौत हो गई। एक वेंटीलेटर भी जल गया था। पिछले साल ही 9 अगस्त को आंध्रप्रदेश के विजयवाड़ा में एक होटल में आग लगने से 10 लोगों की मौत हो गई थी। होटल को कोविड-19 फैसिलिटी सेंटर के तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा था। घटना के वक्त यहां 40 मरीज थे। मेडिकल स्टाफ के भी 10 लोग थे।

कानूनी सलाह

दै. मुंबई हलचल के सभी पाठकों और शुभचिंतकों का बहुत-बहुत अभिनंदन। दै. मुंबई हलचल अपने पाठकों के लिए लेकर आया है- कानूनी सलाह। जी हाँ, आप इस फोरम पर अपनी कानूनी समस्या पर सलाह प्राप्त कर सकते हैं।

आज का विषय

जब कभी आपके सामने कानूनी समस्या आये तो क्या करें?

उत्तर: हम सभी लोग कानूनी समस्या से दूर रहना चाहते हैं, कोई कानूनी पचड़े में पड़ना नहीं चाहता। फिर भी ना चाहते हुए कई बार हम कानूनी समस्या में पड़ जाते हैं। जब कभी ऐसा हो तो क्या करें?

अक्सर देखा गया है कि जब कभी भी कानूनी समस्या आती है तो लोग शुरू में कानूनी समस्या को खुद ही डील करते रहते हैं और नतीजा यह होता है कि कानूनी समस्या विकट होती जाती है और बाद में हमें रिजल्ट नहीं मिलता।

कानून एक पेचीदा विषय है। एक ही मैटर में कई कानून लगते हैं। आम व्यक्ति को कानूनी प्रावधानों की जानकारी नहीं होती और कानून की जानकारी के अभाव में आम व्यक्ति कानून की बारीकियों को नहीं जानता है और अपने केस को बिगाड़ लेता है और उसे न्याय मिलने में कई सारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

ऐसी स्थिति में क्या करें? जब भी कभी कोई कानूनी समस्या आए तो तुरंत वकील को सम्पर्क करें। वकील शुरू में ही हायर करने से शुरू से ही कानूनी बारीकियों का ध्यान रखेगा और केस को कमजोर नहीं होने देगा।

क्रिमिनल मैटर में जैसे एफ.आई.आर दर्ज करनी हो, एन.सी. करनी हो या पुलिस आपके घर से किसी को पकड़ कर ले गई हो या पुलिस ने आपको पुलिस स्टेशन में हाजिर होने के लिए सम्मन दिया हो तो तुरंत एक काबिल वकील हायर करें। वकील शुरू से एफ.आई.आर या एन.सी. में क्या फैक्ट होने चाहिए आई.पी.सी. के कौन से सेक्शन लगने चाहिए आदि आदि बातों का ध्यान रखेगा और उसके अनुसार ऐक्शन लेगा। वकील कानून जानता है और वह कानून के अनुसार ऐक्शन लेकर केस को शुरू से ही मजबूत बनाकर चलेगा ताकि आगे केस में न्याय मिल सके।

सिविल मेटर में नोटिस देना होता है, Documentary Evidence बनाने पड़ते हैं। Limitation Period का ध्यान रखना पड़ता है आदि आदि। शुरू में ही वकील से सलाह लेने पर वह आपके केस में कानून के अनुसार एक्शन लेता है और जो आगे जाकर आपके समय और धन की बचत का कारण बनता है। आपको समय से न्याय मिल पाए, इसके लिए वकील की सलाह शुरू में ही लेने से ही वह काफी कारगार साबित होती है।

आपकी अगर कोई कानूनी समस्या है तो हमें लिखें, हम आपका मार्गदर्शन करेंगे।

Dr. S.P. Ashok
B.Tech, LL.M., DTL, PGD (ADR)PH.D. (Law)
Dr. Ashok Law Associates
M. 8450920005 Email: drashoklaw@gmail.com
website : www.drashoklaw.com

(पृष्ठ 1 का शेष)

एनसीबी की बड़ी कार्रवाई

दरअसल, फारुख पहले सड़कों पर आलू बेचता था, इसीलिए उसके नाम के साथ बटाटा जुड़ गया। महाराष्ट्र में आलू को बटाटा कहते हैं। बाद में फारुख अंडरवर्ल्ड के संपर्क में आया और अब वह मुंबई का सबसे बड़ा ड्रग्स सप्लायर है। एनसीबी ने लोखंडवाला, वर्सोवा और मीरा रोड इलाके में छापेमारी की और शादाब को गिरफ्तार किया। एनसीबी को उसके पास से भारी मात्रा में एमडी ड्रग्स मिली है जिसकी बाजार में कीमत 2 करोड़ रुपए है। शादाब बटाटा ड्रग्स के धंधे से काफी समय से जुड़ा हुआ है और मुंबई के सेलिब्रिटीज को ड्रग्स सप्लाई करने का काम करता है। जांच में सामने आया है कि फारुख का दूसरा बेटा सैफ भी ड्रग्स के धंधे से जुड़ा है। सैफ के पास कई लग्जरी गाड़ियां हैं और वह इन्हीं गाड़ियों में बॉलीवुड सेलेब्रिटीज को ड्रग्स की सप्लाई करता है। एनसीबी इस पर भी जल्द कार्रवाई कर सकती है। एनसीबी के डोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े के मुताबिक दूसरा आरोपी शाहरुख खान उर्फ शाहरुख बुलेट 2 किलो एमडी ड्रग के साथ पकड़ा गया है। शाहरुख 10/15 के स्लम इलाके में रहता था, जो अंधेरी फन रिपब्लिक के पास है, उसकी गिरफ्तारी गुरुवार की रात अंधेरी लोखड़वाला से की गई। बुलेट राजा शाहरुख का कोड नेम था। एनसीबी को शाहरुख उर्फ शाहरुख बुलेट के घर से नोट गिनने वाली मशीन, 15 लाख नकद और कुछ विदेशी करेंसी भी मिली है। इसी तरह से शाहरुख के बारे में एनसीबी को जांच में पता चला कि वो बिहार का रहने वाला है। वो अनपढ़ है और मुंबई के स्लम इलाके में रहता है। लेकिन हाल ही में उसने 2 करोड़ की जेगुआर कार खरीदी थी। लेकिन पकड़े जाने के डर से उसने महज 20 दिन में ही वो कार बेच दी। इसके बाद उसने 35 लाख की फॉर्च्यूनर कार खरीदी। शाहरुख को प्लेन से यात्रा करना। महंगे होटल में रुकना है। अय्याशी करना पसंद हैं। उसके सारे शौक रईसों वाले हैं। शाहरुख को इस धंधे में आए 4 से 5 साल हो गए हैं। वो जल्द ही एक महंगा घर लेने वाला था।

महाराष्ट्र में कल से नाइट कर्फ्यू

मुख्यमंत्री ने कोरोना के बढ़ते मामलों पर कंट्रोल के लिए वैक्सीनेशन को और तेज करने की बात भी कही। सीएम उद्धव शुक्रवार को सभी उपायुक्तों, कलेक्टरों, नगर आयुक्तों, पुलिस अधीक्षकों, जिला सरकारी अस्पतालों के सिविल सर्जनों, जिला और राज्य कार्य बल के सदस्यों और चिकित्सा महाविद्यालयों के अधीक्षकों के साथ ऑनलाइन बातचीत कर रहे थे। इस बैठक में स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे, चिकित्सा शिक्षा मंत्री अमित देशमुख, पूर्व मंत्री डॉ. दीपक सावंत, मुख्य सचिव सीताराम कुंटे, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव आशीष कुमार सिंह, गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव मनुकुमार श्रीवास्तव, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव विकास मौजूद थे। ऑनलाइन बैठक में सीएम ने स्पष्ट किया कि यदि लोग कोविड नियम का पालन नहीं करते हैं, तो निकट भविष्य में कड़े प्रतिबंध लगाने होंगे। उन्होंने सरकारी और प्राइवेट ऑफिसों को वर्किंग आवर्स में बदलाव लाने के लिए कहा है। सीएम ने नियमों का कड़ाई से पालन करवाने के लिए जिला प्रशासन से लगातार निगरानी करने को कहा है। उन्होंने कहा है कि नियम तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। सीएम ने यह भी कहा कि यदि मॉल, बार, होटल, सिनेमा घरों जैसे भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर एसओपी (कोविड नियम) लागू नहीं होती है, तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि भीड़ नहीं हो इसलिए सामाजिक-राजनीतिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों पर पाबंदी रहेगी। उन्होंने प्रत्येक जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं, बेड और दवाओं की उपलब्धता को बढ़ाने की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया है। उन्होंने जिला कलेक्टर को यह भी निर्देश दिया कि यदि किसी ऐसे जिले में जरूरत है, जहां मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, तो पूर्ण लॉकडाउन लागू कर सकते हैं लेकिन इसे अचानक लागू न करें।

CMYK
दैनिक मुंबई हलचल अब हर सच होगा उजागर 5

एको ने सुरक्षा जैकेट दान कर हाईवे ट्रैफिक पुलिस का आभार जताया

मुंबई। डिजिटल इंश्योरेंस कंपनी एको (ACKO) ने यशलोक वेलफेयर फाउंडेशन के सहयोग में महाराष्ट्र हाईवे ट्रैफिक पुलिस को रिफ्लेक्टिव जैकेट्स दान की हैं। इस तरह प्रोटेक्टिव वियर के लिए उनकी जरूरतों को पूरा किया जा रहा है। एको ने यह नेक कार्य करके एमएच हाईवे ट्रैफिक पुलिस द्वारा किये जा रहे समर्पित कार्य के लिए अपना आभार और समर्थन जताया है। एको ने 'रोड सेफ्टी अवेयरनेस मंथ' के एक हिस्से के तहत हाईवे ट्रैफिक पुलिस महाराष्ट्र द्वारा शुरू किए गए सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया जिसे इस वर्ष के शुरू में पूरे देश में मनाया गया था। सड़क-दुर्घटनाओं की संख्या, उनके कारणों और उनकी रोकथाम के साथ-साथ यातायात नियमों के पालन के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए इस अभियान का आयोजन किया गया था। एको इंशेयोरेंस ने सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान की निरंतरता में, महाराष्ट्र की हाईवे ट्रैफिक पुलिस को 3,000 रिफ्लेक्टिव जैकेट्स दान कीं। एको की इस पहल ने राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह की थीम 'सड़क सुरक्षा, जीवन रक्षा' को आगे बढ़ाया। ये जैकेट प्रासंगिक सड़क सुरक्षा के संदेशों को बढ़ावा देती हैं जो सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता बनाने की आवश्यकता पर जोर देते हैं और लोगों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। ये जैकेट पुलिस की विशिष्ट जरूरतों के हिसाब से बनाए गए हैं जो उन्हें तत्वों से पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करते हैं। रिफ्लेक्टिव कपड़े उसे पहनने वाले लोगों को अधिक विजिबल बनाते हैं और यह जैकेट उन्हें उनकी सुरक्षा के लिए किसी भी संभावित खतरे से बचाती है। ये जैकेट्स 26 मार्च 2021 को फोर्ट, मुंबई में ट्रैफिक पुलिस मुख्यालय में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में सौंपे गए। महाराष्ट्र के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (यातायात), डॉ बी.के. उपाध्याय (आईपीएस) ने पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) सुनीता ठाकरे (आईपीएस) और पुलिस अधीक्षक (ठाणे) दिगंबर प्रधान (आईपीएस), राजमार्ग यातायात पुलिस और एको जनरल इंश्योरेंस के संस्थापक और सीईओ वरुण दुआ की उपस्थिति में अधिकारियों को जैकेट वितरित की। साथ ही सड़क सुरक्षा नियमों को लागू करने के लिए आवश्यक फ्रंटलाइन वर्कर्स के तौर पर पुलिसकर्मियों की भूमिका की सराहना की।

एको ने गैर-सरकारी संगठन यशलोक वेलफेयर फाउंडेशन के साथ सहयोग किया है जो समाज के हाशिए वाले वर्गों के साथ काम करता है जिन्हें कोविड-19 के कारण आजीविका और आय का ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा है। महाराष्ट्र हाईवे पुलिस विभाग को रिफ्लेक्टिव कपड़े प्रदान करने के इस प्रयास के परिणामस्वरूप 35 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिला। फाउंडेशन ने एक विकलांग महिला उद्यमी के साथ काम किया और कोविड-19 महामारी के दौरान नौकरी से वंचित 20 महिलाओं और 15 युवाओं को प्रशिक्षित किया। एको जनरल इंश्योरेंस के संस्थापक और सीईओ वरुण दुआ ने इस पहल के बारे में बात करते हुए कहा, देश के लोगों को सड़कों और राजमार्गों पर सुरक्षित रखने के लिए हाईवे पुलिस के अथक और वीरतापूर्ण कार्य के लिए उनकी प्रशंसा करने में एको सम्मानित महसूस कर रहा है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (यातायात) महाराष्ट्र, डॉ बी. के. उपाध्याय (आईपीएस) ने कहा, 'हम अपने अधिकारियों के साथ साझेदारी करने और हमारे अधिकारियों के लिए आवश्यक प्रोटेक्टिव वियर की आपूर्ति करके हमारा समर्थन करने के लिए एको को धन्यवाद देना चाहते हैं।'

मराठा आरक्षण मामला

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई पूरी, फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली। न्यायमूर्ति अशोक भूषण के नेतृत्व वाली पांच न्यायाधीशों की एक संविधान पीठ ने मामले में दलीलें सुनीं। इनमें यह प्रतिवेदन भी प्रेषित था कि क्या 1992 के ऐतिहासिक इंद्रा साहनी फैसले (मंडल फैसले के तौर पर चर्चित) पर भी वृहद पीठ द्वारा पुनर्विचार किए जाने की जरूरत है। इस फैसले के तहत 50 फीसदी आरक्षण की अधिकतम सीमा तय की गई थी। पीठ ने कहा, रिट याचिका पर दिए गए प्रतिवेदन के जवाब में अटॉर्नी जनरल केके वेणुगोपाल ने अपनी दलीलें दी हैं भारत संघ (यूनियन ऑफ इंडिया) और गुजरात राज्य की तरफ से पेश हुए सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने भी उनके प्रतिवेदन को अपनाया है। सुनवाई पूरी हुई। फैसला सुरक्षित है। बता दें कि पीठ में न्यायमूर्ति अशोक भूषण के अलावा न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव, न्यायमूर्ति एस अब्दुल नजीर, न्यायमूर्ति हेमंत गुप्ता और न्यायमूर्ति एस रवींद्र भट भी शामिल हैं। शीर्ष अदालत ने आठ मार्च को कहा था कि वह मुद्दों पर विचार करने का प्रस्ताव करती है। इनमें यह भी शामिल होगा कि क्या इंदिरा साहनी मामले को वृहद पीठ को संदर्भित किए जाने या उस पर पुनर्विचार की जरूरत है खास तौर पर बाद में हुए संवैधानिक संशोधनों, फैसलों और समाज के बदलते सामाजिक ताने-बाने के मद्देनजर। उच्च न्यायालय ने जून 2019 में कानून को बरकरार रखते हुए कहा था कि 16 प्रतिशत आरक्षण न्यायोचित नहीं था और रोजगार में 12 प्रतिशत तथा दाखिलों में 13 प्रतिशत से ज्यादा आरक्षण नहीं होना चाहिए।

पैगम्बर ऐ इस्लाम की शान में गुस्ताखी करने वाले महंत नरसिंहानंद के खिलाफ कार्यवाही करें उत्तर प्रदेश सरकार: नदीम कुरैशी

बरेली। पैगंबरे इस्लाम की शान में गुस्ताखी करने और देश में अशांति फैलाने की नियत से भड़काऊ बयानबाजी करने वाले महंत नरसिंहानंद के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए मुस्लिम सेवा संघ ने आज एसपी सिटी बरेली को ज्ञापन दिया। संगठन उत्तर प्रदेश अध्यक्ष नदीम कुरैशी ने एसपी सिटी को दिए गए ज्ञापन में कहा कि गाजियाबाद के डासना स्थित प्राचीन देवी मंदिर के महंत नरसिंहनंद ने पैगंबरे इस्लाम के बारे में आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया है। जिससे पूरे देश के मुस्लिम समाज की भावनाएं आहत हुई है। जिसकी शिकायत नदीम कुरैशी ने 20 मार्च को बरेली कोतवाली में नरसिंहनंद के बयान को संविधान के विरुद्ध मानते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। क्योंकि भारत का संविधान हर धर्म और वर्ग को स्वतंत्रता प्रदान करता है। लेकिन नरसिंहनंद ने एक न्यूज चैनल चैनल के माध्यम से की गई टिप्पणी से शांति का पैगाम लेकर आए और दुनिया को सत्य का मार्ग दिखाने वाले पैगंबरे इस्लाम के विरुद्ध आपत्तिजनक टिप्पणी की है। नदीम कुरैशी ने महंत नरसिंहनंद और सरदार रवि रंजन सिंह कई अन्य लोगों पर भी भड़काऊ बयानबाजी करने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। इस दौरान नदीम कुरैशी, मुजाहिद खान, इस्लाम कुरैशी इकवाल घोसी, अल्ताफ हुसैन, सलीम घोसी, हसीन कुरैशी, वसीम खान भाई जी, इरशाद चौधरी, अकरम खान शाहिद कुरैशी, नाहिद अली, जावेद कुरैशी आदि।

अप्रैल में चरम पर होगी कोरोना की दूसरी लहर, महज सात दिन में बढ़े 66 फीसदी मामले

नई दिल्ली। देशभर में कोरोना वायरस का प्रकोप एक बार फिर से अपने चरम पर पहुंचता जा रहा है। यहां बृहस्पतिवार को कोविड-19 से संक्रमित लोगों के 59 हजार से ज्यादा नए मामले आए हैं। जानकारी मिली है कि कोरोना के नए मामलों की यह गिनती 17 अक्टूबर के बाद सबसे अधिक है। विशेषज्ञों ने भी माना है कि देश में कोरोना की दूसरी लहर आई है, जिससे महामारी का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। बीते साल मई के बाद पहली बार इतनी तेजी से कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं, जिसे देख यह माना जा रहा है कि वैक्सीनेशन शुरू किए जाने के बावजूद संक्रमण की दूसरी लहर पहली से भी अधिक घातक साबित हो सकती है। इधर, महाराष्ट्र और गुजरात में कोरोना वायरस की पहली लहर के चलते लोगों में संक्रमण के आंकड़े अपनी चरम सीमा को लांघ चुके हैं। पंजाब का भी कुछ ऐसा ही हाल है। यहां भी संक्रमण के आंकड़े पिछली बार के लहर के अपने चरम को पार करने के करीब पहुंच चुके हैं।

एनआईए का दावा: मनसुख के पोस्टमार्टम के समय अस्पताल में मौजूद था वाजे, डॉक्टरों से होगी पूछताछ

मुंबई। एंटीलिया मामले में स्कॉर्पियो के मालिक मनसुख हिरेन की हत्या की जांच अब एनआईए के हाथों में है और एजेंसी हर एंगल से इसकी जांच पड़ताल कर रही है। एनआईए के अधिकारियों को इस बात के पुख्ता सबूत मिले हैं कि हिरेन के पोस्टमार्टम के समय सचिन वाजे सरकारी अस्पताल में ही मौजूद था। अब एनआईए हिरेन का पोस्टमार्टम करने वाले तीन डॉक्टरों से भी पूछताछ करेगी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी पोस्टमार्टम करने वाले तीन डॉक्टरों से जो सवाल कर सकती है, वो कुछ इस तरह हैं..

1. पोस्टमार्टम के दौरान क्या डॉक्टरों पर किसी तरह का कोई दबाव था, क्या पोस्टमार्टम की वीडियोग्राफी की गई थी?
2. डॉक्टरों से कौन-कौन मिलने आया था, क्या कोई बातचीत हुई थी या किसी का कोई फोन आया था?
3. पोस्टमार्टम के लिए पूरे सैंपल पहली बार में ही क्यों फॉरेंसिक के लिए नहीं भेजे गए?
4. डॉक्टरों से अस्पताल आने वाले लोगों का रिकॉर्ड मांगा जाएगा, क्योंकि एटीएस की जांच में पाया गया था कि मुलाकात करने वालों का कोई लिखित रिकॉर्ड नहीं है।
5. सचिन वाजे पोस्टमार्टम के दौरान वहां क्या कर रहा था, क्या वह आधिकारिक तौर पर वहां आया था या उसने किसी डॉक्टर पर कोई दबाव बनाया था?

मनसुख के भाई से मिले थे वाजे

एनआईए की जांच में सामने आया कि वाजे पांच मार्च को शाम साढ़े छह बजे ठाणे के सरकारी अस्पताल आया था। उसने क्राइम ब्रांच के अधिकारी अलकनूर से बातचीत की थी। इसके अलावा जांच में यह भी पता चला कि वाजे ने मनसुख हिरेन के भाई विनोद हिरेन से भी मुलाकात की थी।

डायटम रिपोर्ट ने खड़े किए कई सवाल

मनसुख हिरेन की हत्या मामले में डायटम रिपोर्ट ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। सूत्रों की माने तो अब तक की जांच में सामने आया है कि मनसुख को तीन से चार लोगों ने पहले मारा और फिर बाद पानी में फेंक दिया लेकिन मनसुख की डायटम रिपोर्ट कुछ और कहानी बयां करती है। रिपोर्ट के मुताबिक, मनसुख की मौत पानी में गिरने की वजह से हुई। एटीएस के डीआईजी ने इस रिपोर्ट को हरियाणा भेज दिया है, एनआईए इसी रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

किसान आंदोलन: 'दिल्ली दूर नहीं है', भारत बंद के जरिए सरकार को चेताने में कामयाब रहे अन्नदाता

नई दिल्ली। किसान आंदोलन के नेताओं ने शुक्रवार को भारत बंद का आह्वान किया था। हरियाणा और पंजाब में इसका व्यापक असर देखने को मिला है। किसान नेता 'भारत बंद' के जरिए केंद्र सरकार को चेताने में कामयाब रहे हैं। उन्होंने यह संदेश भी दे दिया कि दिल्ली अब दूर नहीं है। आज किसान भले ही अपने खेत में अन्न एकत्रित कर रहा है, लेकिन जरूरत पड़ने पर वे दिल्ली आने में वक्त नहीं लगाएंगे। बंद के दौरान जोश की जगह मजबूरी ही अधिक नजर आई। सड़कों पर बैठे किसानों को देखकर ऐसा लगा कि जैसे यह बंद प्रतीकात्मक हो। शहरों के अधिकांश बाजार खुले रहे, मगर सभी राष्ट्रीय राजमार्ग पूरी तरह बंद किए गए थे। दोनों ही राज्यों में सार्वजनिक परिवहन के अलावा निजी बसें भी सड़कों पर नहीं निकली। ट्रेनों का आवागमन प्रभावित हुआ। किसान नेता दर्शनपाल कहते हैं, सरकार जो भी कहे, लेकिन किसानों ने 'भारत बंद' करके सरकार को जवाब दे दिया है। इस बंद के लिए ज्यादा किसानों को एकत्रित नहीं किया गया। वजह, खेतों में इस वक्त काम ज्यादा है। किसान संगठनों ने अपने साथियों से यह अनुरोध किया था कि वे जहां पर हैं, वहीं बंद कराने का प्रयास करें। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, कर्नाटक, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश सहित दूसरे राज्यों में भी बंद का असर देखने को मिला है। कई जगहों पर महिला किसानों ने भारत बंद को सफल बनाया है। इस भारत बंद का मकसद सरकार को चेताना था। केंद्र इस गलतफहमी में न रहे कि किसान अपने खेतों में चला गया है, तो वहां से वापस नहीं आ सकता। इस बंद के जरिए किसानों ने सरकार को बता दिया है कि एक अपील पर वे दिल्ली घेर सकते हैं। दर्शनपाल के मुताबिक, किसान आंदोलन कई तरह से करवटें ले रहा है। समय आने पर रणनीति का खुलासा कर देंगे। पश्चिम बंगाल के चुनावी नतीजे किसान आंदोलन को प्रभावित कर सकते हैं, इस बाबत किसान नेता अविक साहा कहते हैं, सरकार शुरू से ही यह मानकर चल रही है कि पश्चिम बंगाल में अगर भाजपा आई तो आंदोलन को सख्ती से दबा दिया जाएगा। हम पूछते हैं कि अगर वहां भाजपा की करारी हार हुई तो केंद्र सरकार किसानों की सारी मांगें मान लेगी। ये सब दुष्प्रचार का हिस्सा है। किसान यह आंदोलन कर रहा है और ये आगे भी जारी रहेगा। इसका किसी राज्य के चुनाव से कोई लेना देना नहीं है। भारत बंद से किसानों ने सरकार को यह बता दिया है कि किसान कम संख्या में भी ऐसा कर सकते हैं। फसल कटाई के बाद जब किसान दिल्ली पहुंचकर दहाड़ेगा तो सरकार हिल जाएगी। इस दौरान शुक्रवार को आयोजित बंद में हरियाणा और पंजाब में रेल सेवा भी पूरी तरह बाधित रही है।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बुलडाणा हलचल

जिला परिषद मिनी मंत्रालय का 21 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तुत, ऑनलाइन मीटिंग में विभिन्न विभागों के लिए पर्याप्त प्रावधान

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलडाणा। जिले के लोग एक वर्ष से कोरोना के साऐ मे जिवन गुजार रह रहे हैं। ऐसे में जिला परिषद के बजट से बुलडणा जिले के तेरह तालुके के लोगों को राहत मिली है। पहली नजर में, यह बजट विभिन्न योजनाओं के लिए पर्याप्त धन प्रदान करता है। इस बीच, गुरुवार 25 मार्च, 2021 को, कोरोना नियमों के अनुपालन में, जिला परिषद का बजट जिला परिषद के अर्थ व बांधकाम सभापती रियाजखान पठान द्वारा प्रस्तुत किया गया। जिले के सभी पंचायत समिति के अधिकारी और कर्मचारी इस समय ऑनलाइन मौजूद थे। बजट का सत्ता पक्ष के सदस्यों ने स्वागत किया। जिला परिषद वित्त निर्माण के अध्यक्ष रियाज खान पठान ने एक ऑनलाइन बैठक में जिला परिषद का बजट पेश किया जो दोपहर लगभग 2 बजे शुरू हुआ। बैठक में जिला परिषद अध्यक्ष मनीषा पवार, उपाध्यक्ष

कमल जलिंदर बुधावत, महिला एवं बाल कल्याण अध्यक्ष ज्योति अशोक पादघन, समाज कल्याण अध्यक्ष पूनम राठौड़, कृषि व्यवसायी राजेंद्र पालस्कर, मुख्य कार्यकारी अधिकारी भाग्यश्री विस्पुते, मुख्य वित्त और लेखा अधिकारी शिल्पा पवार उपस्थित थीं। बैठक की शुरूआत में, रियाज खान पठान ने एक परिचयात्मक भाषण दिया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष के बजट में, सभी सामाजिक तत्वों और विकास कार्यों के लिए पर्याप्त प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2021-22 के लिए मूल अनुमान 21 करोड़ 3 लाख 16 हजार 593 रुपये था जबकि 20-21 के लिए संशोधित बजट 30 करोड़ 39 लाख, 50 हजार 798 रुपये था। सत्ता पक्ष के सदस्यों द्वारा तालियों के साथ उनका स्वागत किया गया।कोरोना के प्रकोप और सरकार के निर्देशों पर विचार करते हुए सभी पदाधिकारियों और सदस्यों ने ऑनलाइन बैठक और चर्चा में भाग लिया। जिले में 13 पंचायत समिति में तकनीकी व्यवस्था की गई थी। संबंधित तालुका के जिला परिषद सदस्य संबंधित पंचायत समिति में मौजूद थे। परिणामस्वरूप, बैठक के दौरान विचार-विमर्श, और आलोचनाएं सभी ऑनलाइन थीं।

दुकानदार, कोरोना का जांच करें, अन्यथा दुकान खोली नहीं दी जाएगी !

बुलडाणा। कोरोना टेस्टींग बढ़ाने के लिए राज्य सरकार ने सभी जिलों को निर्देश जारी कर दिए हैं। इसके अलावा, दुकानदारों का कोरोना परीक्षण पहले किया जाना चाहिए, यह मुख्य रूप से इन निर्देशों में उल्लिखित है। बुलडाणा शहर प्रशासन ने शहर में व्यापारियों और दुकानदारों से अपील की है कि वे कोरोना की जांच करें। इसके लिए समय सीमा बुधवार 31 मार्च है। जिन दुकानदारों ने अपनी और अपने दुकान के कर्मचारियों की कोरोना का जांच नहीं किया है, वे दुकान नहीं खोल पाएंगे। इसे मुख्य अधिकारी महेश वाघमोडे ने स्पष्ट किया है। कोरोना

टेस्ट में नकारात्मक होने का प्रमाण पत्र प्राप्त करने के बाद ही संबंधित दुकान को खोला जा सकता है। नगर प्रशासन ने कोरोना जांच की विशेष व्यवस्था की है और सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक नगर परिषद में कोरोना का परीक्षण किया जा सकता है। 29 मार्च को रंगपंचमी के दिन, कोरोना जांच के लिए छुट्टी रहेगी। लेकिन रविवार को होली के दिन, कोरोना की जांच कि जाएगी। शहर के सभी दुकानदार, जिनमें कपड़ा दुकानदार, होटल, हार्डवेयर, पेट्रोल पंप, डेली नीड्स, बुक डिपो, ठेले के मालिक और वहां काम करने वाले सभी प्रतिष्ठानों के मालिकों को कोरोना का जांच करना होगा। ये सभी एक रॅपीड टेस्ट से गुजरेंगे। कुछ ही मिनटों में, प्रशासन को पता चल जाएगा कि कौन पॉजीटीव है और कौन नीगेटीव है।

रामपुर हलचल

मंसब अली खेल के मैदान में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मादड़ के कर कमलों द्वारा आल इण्डिया फुटबॉल कप का उदघाटन किया गया

संवाददाता/नदीम अख्तर

टाण्डा रामपुर। मंसब अली खेल के मैदान में जो आज जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मादंड़ के कर कमलों द्वारा आल इण्डिया फुटबॉल कप का उदघाटन किया जाना था पंचायती राज चुनाव आचार संहिता लगने के फुटबॉल कप टूर्नामिन्ट का उदघाटन नहीं कर सके जिसका उदघाटन पालिकाध्यक्ष पति प्रतिनिधि मकसूद लाला के कर कमलों द्वारा किया गया उदघाटन के तुरन्त बाद ही काला गढ़ एवं खुशहालपुर दोनों टीमों के बीच खेल की शुरूआत की गई टूर्नामिन्ट में अन्य शहर एवं सूबों की टीमें भाग ले रही हैं खेल का मैदान इतना बड़ा कि दर्शकों की अधिक संख्या को देखते हुए भी मैदान अजब गजब सा नजर आता दिखाई दे रहा है दर्शक मैदान को देखकर काफी खुश होते नजर आ रहे हैं नगर को आज तक कोई भी प्रतिनिधि इतना बड़ा खेल का मैदान नहीं दे सका जो पालिकाध्यक्ष मेहनाज जहां प्रतिनिधी मकसूद लाला के कर कमलों द्वारा इनाम दिया गया है जो कभी भविष्य में भुलाया नहीं जा सकता प्रतिनिधि मकसूद लाला द्वारा बताया गया कि जितना भी खेल मनोरंजन का खर्च आयेगा वह नगर पालिका द्वारा ही खर्च किया जायेगा टूर्नामेन्ट से सम्बंधित एक कमेटी का भी गढन किया गया है खिलाड़ियों की सुविधा हेतु एम्बुलेंस व डाक्टरों की तैनाती भी की गई हैं दर्शकों के बैठने के लिए बहुत ही अच्छे अन्दाज में व्यवस्था की गई है इस दौरान पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि मकसूद लाला, कमेटी अध्यक्ष अब्दुल अली शमा बीडी.वाले, व्यापार मंडल नगरध्यक्ष हाजी मुशर्रफ अली, युवा नगरध्यक्ष मु०सलीम कसगर, अ०समद, विनोद वर्मा,शेलेश वर्मा, मास्टर नफासत अली, एहतराम अली, फैजान अली, फैज,कमेन्टेटर सईद सागर व मु० इरफान सहित दर्शकों ने भाग लिया।

नगर व क्षेत्रवासियों के वैक्सीन का टीका लगवाये जाने का प्रचार प्रसार किया जा रहा है

संवाददाता/नदीम अख्तर

टाण्डा रामपुर। कोरोना बचाव के लिए सरकार के दिशा निर्देशों के अनुसार गाइड लाइन का पालन किया जा रहा है स्वास्थ्य विभाग व आंगनबाड़ी की टीम नगर व क्षेत्रवासियों के वेकसीन का टीका लगवाये जाने का प्रचार प्रसार भी कर रहे हैं भारतीय जनता पार्टी के नेता व पालिका सभासद पप्पन सक्सैना ने वैक्सीन की डोज लगवाई सभासद का कहना हैं कि वैक्सीन कोरोना वायरस बचाव के लिए आवश्यक है सरकार के दिशा निदेशों के चलते कोरोना वायरस वैक्सीन का लगातार प्रचार प्रसार किया जा रहा है जिसका समय रहते लाभ उठाया जाये।

राजस्थान हलचल

कायनात ह्यूमन डेवलपमेंट सोसाइटी द्वारा लगाया निशुल्क स्वास्थ्य शिविर

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

भोपाल। गोविंदपुरा वार्ड 44 में सामुदायिक भवन में कायनात ह्यूमन डेवलपमेंट सोसाइटी द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य शिविर आई चेकअप दवाई वितरण का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 400 लोगों ने इसका लाभ उठाया कोविड-19 महामारी को देखते हुए इस कैंप का आयोजन किया गया शासकीय होम्योपैथिक महाविद्यालय डॉक्टरों द्वारा सभी लोगों का चेकअप दवाई वितरण का आयोजन किया गया प्रभात श्री हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने शुगर एवं अन्य जांच की गई आई चेक अप प्रकाश आई हॉस्पिटल एवं मन मूर्ति आई केयर के डॉक्टर मनोज नाहर एवं उनकी टीम द्वारा किया गया वार्ड 44 के समाजसेवी तारिक अली एवं मनोज शुक्ला द्वारा सभी डॉक्टरों को सर्टिफिकेट मेडल देकर सम्मानित किया गया संस्था अध्यक्ष शेख फैयाज को मेडल पहनाकर शील्ड देकर सम्मानित किया गया वहां के निवासियों ने संस्था का आभार व्यक्त किया संस्था कोविड-19 पालन करते हुए कैंप का आयोजन निरंतर करती आ रही है वहां रहवासियों ने संस्था का आभार व्यक्त किया संस्था निरंतर आगे भी कैंप का आयोजन संस्था का एक ही नारा स्वस्थ भारत हमारा स्वस्थ समाज के लिए संकल्प बहुत-बहुत धन्यवाद।

लड़की ने लड़के के मुंह पर फेंका तेजाब, मौत

आगरा। आपने लड़कियों पर तेजाब फेंकने की कई घटनाएं सुनी होंगी, लेकिन आगरा से जो खबर सामने आई है, उसमें लड़की ने अपने प्रेमी के मुंह पर तेजाब फेंका है। इस दिल दहलाने वाली वारदात में बुरी तरह से झुलसे युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि दोनों प्रेमी-प्रेमिका थे और लिव इन में रहते थे। आज दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी। इससे गुस्साई प्रेमिका ने प्रेमी के मुंह पर तेजाब फेंक दिया। मामला आगरा जिले के हरीपर्वत इलाके का है। अब पुलिस जांच में जुट गई है। एसपी सिटी रोहन पी बोत्रे के मुताबिक, प्रेमी देवेंद्र कासगंज जिला का रहने वाला था और लड़की सोनम औरैया की रहने वाली है। देवेंद्र एक पैथोलॉजी पर काम करता था और लड़की सोनम एक अस्पताल में नर्स है। दोनों लिव इन रिलेशन में रह रहे थे और किसी विवाद के चलते लड़की सोनम ने देवेंद्र पर तेजाब फेंक दिया और इलाज दौरान देवेंद्र की मौत हो गयी।

भारत बंद को मुस्लिम समाज के लोगों ने भी दिया भरपूर समर्थन

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

जालंधर। मुस्लिम समाज के लोगों ने आज किसानों के समर्थन में प्रदर्शन किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति के नाम मेमोरेंडम भेजा। इस अवसर पर अलनूर ह्यूमन वेलफेयर सोसाइटी और गरीब नवाज फाउंडेशन पंजाब के चेयरमैन और राष्ट्रीय कांग्रेस किसान संगठन के महासचिव मोहम्मद अकबर अली ने कहा कि मुस्लिम समाज किसानों के साथ बराबर इस आंदोलन में शरीक है। हम आंदोलन को मजबूत बनाने का हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। किसान आंदोलन के बढ़ते स्वरूप को देखकर मोदी सरकार घबरा गई है। मोदी सरकार को अब समझ नहीं आ रहा है कि क्या किया जाए। हमें उम्मीद है कि जल्द ही किसानों की जीत होने वाली है। मोदी सरकार को किसानों के हौसले और हिम्मत के सामने झुकना पड़ेगा और उनकी सारी मांगों को मानना पड़ेगा। मुस्लिम नेशनल फ्रंट के उपाध्यक्ष सलीम अहमद ने कहा कि किसान आंदोलन भारत के इतिहास का सबसे बड़ा आंदोलन बन चुका है, मोदी सरकार आंदोलन से घबरा गई है। वहीं मोहम्मद मूसा और राशिद अहमद ने कहा कि मोदी सरकार किसानों के धैर्य की परीक्षा लेना बंद करे और किसान संगठनों की सारी मांग तुरंत स्वीकार करे। उन्होंने कहा कि किसान आंदोलन भारत के इतिहास में सुनहरे अक्षरों में दर्ज हो गया है। यह भारत ही नहीं दुनिया का सबसे ज्यादा दिन चलने वाला जनआंदोलनों में से एक बन गया है इस अवसर पर मदर टेरेसा फाउंडेशन के जिला प्रधान राशिद अहमद, मोहम्मद मूसा, तबरेज आलम, हाफिज आसिफ, मोहम्मद रफीक, जावेद, मोहम्मद रफीक, शमशाद अहमद, वसीम, सोनू, रमजान व अन्य मौजूद थे।

खूब दिल खोलकर लड़ाएं गप्पे

दोस्तों से गप्पे लड़ाने और हंसी-ठिठोली करने में संकोच न करें। कोई टोके तब भी नहीं। अकसर झुंड में खड़े दोस्तों की मंडली को गप्पे लड़ाते, हंसते देखकर दूसरों के पेट में दर्द हो जाता है। पड़ोसी आपके बच्चों को आवारा घोषित कर देने में कसर नहीं छोड़ते। लेकिन अब ऐसा होता है तो भी गप्पे लड़ाने में संकोच ना करें। क्योंकि हाल ही हुए एक रिसर्च के नतीजे ये बताते हैं कि गप्पे सेहत के लिए फायदेमंद हैं। रिसर्च बताता है कि किसी बात को मन में ही रखना मानसिक सेहत के लिए तो खराब है ही शारीरिक तौर पर भी ये आपको नुकसान पहुंचाता है। दिल में दबे राज आपको मानसिक बीमार बना सकते हैं, आपकी बहुत एनर्जी खपा सकते हैं।

न्यूयॉर्क के बिजनेस स्कूल ऑव कोलंबियां से जुड़े असिस्टेंट प्रोफेसर माइकल स्लेपियन का कहना है कि ऑफिस में किसी भी मुद्दे से जुड़े इश्यू को दिल में दबाकर रखना सेहत के लिए हानिकारक है। इससे आप मनोवैज्ञानिक दबाव महसूस करते हैं जिसकी परिणीति तनाव और हताशा के रूप में सामने आ सकती है।

स्लेपियन कहते हैं कि जो लोग जितने ज्यादा राज दिल में दबाकर रखते हैं उतना ही आप अपनी जिंदगी को दुश्वार बनाते जाते हैं। जिंदगी उतनी ही चैलेंजिंग होती जाती है और आप इन चुनौतियों से निपटने के प्रति उतने ही कम प्रोत्साहित होते हैं। इसलिए दिल में राज दबाकर रखने की बजाय अपने आसपास के लोगों से घुलें मिलें खूब गप्पे लड़ाएं और दिल को हल्का रखें। जीने का अंदाज बदल दें और खूब दिल खोलकर हंसे, गप्पे मारें।

हेयर रिंग से दें बालों को नया लुक

परफेक्ट मेकअप, हेयर स्टाइल और ड्रेस आपको स्टाइलिश दिखाता है। अगर आपका हेयर स्टाइल अच्छा न हो तो आपकी लुक खराब हो जाती हैं। बालों में स्टाइलिश लुक देने के लिए आजकल कई चीजों का इस्तेमाल किया जाता है जैसे कि हेयर रिंग। हेयर रिंग का इस्तेमाल करके आप सबसे अलग दिख सकती है। आजकल लड़कियां खूब हेयर रिंग बालों का यूज कर रही हैं। आज हम आपको बताते हैं कि कैसे आप हेयर रिंग का इस्तेमाल बालों को स्टाइलिश दिखा सकती हैं।

- **हेयर रिंग बनाने के लिए आपको चोटी बनाना बहुत जरूरी है इसलिए सबसे पहले बालों की चोटी बना लें।**
- **हेयररिंग ज्यादा फ्रेंच, बॉक्सर और डबल डच हेयर स्टाइल पर अच्छे लगते हैं।**
- **अब इन्हें चोटी पर थोड़ी-थोड़ी दूरी पर लगाएं।**
- **ये रिंग्स बालों पर आसानी से ऐडजस्ट हो जाती हैं। इनको आप कोई डिजाइन देकर भी लगा सकती है।**
- **आप चाहें तो इन्हें अलग-अलग डिजाइन देकर लगा सकती है जिससे आपके बाल सुंदर लगें।**

इस योगासन से ब्लड शुगर पर लगेगा लगाम

अक्सर लोगों का कहना होता है कि वो इतनी मेहनत करते हैं फिर भी वो शारिरीक परेशानियों और बीमारियों की चपेट में आ ही जाते हैं। इस अनियमित जीवनशैली में लोगों को इतना वक्त नहीं की वो अपने खानपान को दुरुस्त रखें और यही नतीजा है कि ब्लड शुगर जैसी गंभीर बिमारियों के शिकार आसानी से हो जाते है। लेकिन इन बीमारियों से लोगों को डरने या घबराने की जरुरत नहीं है। क्योंकि योगासन से भी इस बीमारी को काबू किया जा सकता है। ब्लड शुगर से जूझ रहे लोगों की बढ़ती तादात को देखते हुए वैज्ञानिक भी इस रोग से लड़ने की नई तकनीकों पर विचार कर रहे हैं। अगर आप ब्लड शुगर को नियंत्रित करना चाहते हैं तो नियमित योगासन एक हथियार के तौर पर असरदार साबित हो सकता है। क्योंकि डायबिटीज में ब्लड शुगर को नियंत्रित रखने के लिए दवाओं के अलावा शारीरिक सक्रियता भी जरूरी है ताकि पेन्क्रियाज की सेहत सही रहे। ऐसे में ये योगासन से पाचनक्षमता व मांसपेशियों को मजबूती मिलती है जो शरीर के इंसुलिन का काम करती है।

सुप्तबद्धकोणासन:
चटाई पर बैठकर गोल तकिए को सीधा कर उसपर कमर टिकाएं। घुटनों से मोड़ते हुए पैरों के तलवों को एक-दूसरे से मिलाएं। एक बेल्ट को कमर के पीछे से लेते हुए आगे लाएं और पंजों को इस तरह बांधें कि तलवे आपस में मिल जाएं। तकिए पर चादर रखकर गर्दन-सिर को सपोर्ट दें। फिर दोनों हथेलियां ऊपर की ओर रखते हुए दाएं-बाएं फैलाएं। ऐसे ही 10 से 15 सेकंड इस स्थिति में रुककर अपने पुरानी अवस्था में आ जाएं।

मत्स्यासन:
मत्स्यासन को करने के लिए सबसे पहले गोल व लंबे तकिए को रीढ़ की हड्डी की उल्टी दिशा में रखें। इसके बाद दंडासन की मुद्रा में बैठकर कमर के बल पीछे झुकें। फिर इस दौरान कमर को तकिए पर टिका लें और दोनों हाथों को पीछे ले जाने के साथ हथेलियों को आपस में मिला लें। फिर पैरों को घुटने से मोड़ें व तलवों को आपस में मिलने दें। इस आसान में बैलेंस बनाना जरुरी होता है इसलिए प्रारंभिक अवस्था में आने के लिए कोई जल्दबाजी दिखाएं।

मेरुदंडासन:
इस आसान को करने के लिए सबसे पहले एक कुर्सी पर बैठकर घुटनों के बीच गोल-लंबा तकिया रखें। ध्यान रहे कि तकिया जमीन से 3 इंच ऊपर हो व कूल्हे का जोड़, घुटना और टखना एक सीध में हो। गहरी-लंबी सांस लें व छोड़ते समय एक के बाद एक पहले सीने फिर पेट, कंधे व गर्दन को दाईं ओर लेकर जाएं और दोबारा सांस लेकर छोड़ते समय पुनः वाली स्थिति में आएं। ऐसा बाईं तरफ भी दोहराएं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

किआरा ने 'कबीर सिंह' के प्रोड्यूसर की फिल्म को किया रिजेक्ट

कियारा आडवाणी बॉलीवुड की लोकप्रिय अभिनेत्री बन चुकी हैं उनके पास कई बड़े प्रोजेक्ट हैं। कियारा को फिल्म 'कबीर सिंह' से जबरदस्त पहचान मिली थीं। इस फिल्म में अपने अभियन से कियारा ने सभी का दिल जीत लिया था। इसके बाद उन्हें कई बड़े बैनर की फिल्मों के लिए अप्रोच किया गया। अब खबर आ रही है कि कियारा ने 'कबीर सिंह' के प्रोड्यूसर की फिल्म 'अपूर्वा' को रिजेक्ट कर दिया है। बताया जा रहा है कि 'कबीर सिंह' के निर्माता मुराद खेतानी की महिला केंद्रित फिल्म 'अपूर्वा' के ऑफर को कियारा ने अस्वीकार कर दिया है। मेकर्स एक महिला केंद्रित फिल्म बना रहे हैं जिसका नाम 'अपूर्वा' है। यह फिल्म एक महिला की जिंदगी के इर्दगिर्द घूमती है। यह एक रोमांचकारी थ्रिलर है और मेकर्स चाहते थे कि कियारा इसमें लीड रोल यानी अपूर्वा का किरदार निभाए। यह एक छोटे बजट की फिल्म है, इसलिए मेकर्स चाहते थे कि कियारा इसका हिस्सा बने। इससे फिल्म में एक बड़े कलाकार की कमी पूरी हो जाती क्योंकि कियारा मौजूदा समय में एक लोकप्रिय अभिनेत्री मानी जाती हैं। कियारा और उनकी टीम ने इस फिल्म की कहानी सुनी थी। उन्हें इस फिल्म की कहानी पसंद भी आई थी। कियारा को लगा कि एक छोटे बजट की फिल्म में काम करना उनके लिए एक रिस्क होगा।

वरुण निभाएंगे अपने करियर का सबसे मुश्किल किरदार

वरुण धवन और साजिद नाडियाडवाला ने एक साथ मिलकर कुछ चर्चित प्रोजेक्ट्स में काम किया हैं। ढिशूम और जुड़वा-2 के बाद, साजिद नाडियाडवाला ने वरुण के साथ अपने तीसरे वेंचर की घोषणा की है, जिसका नाम 'सनकी' है। इस एक्शन थ्रिलर फिल्म में वरुण धवन का क्या रोल होगा इस बारें में जानकारी सामने आई है। खबरों के अनुसार इस फिल्म में वरुण धवन अपने करियर का सबसे मुश्किल रोल प्ले करने जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि अपनी फिल्म सनकी में एक्टर एक ऐसे पुलिस कॉप का रोल प्ले कर सकते हैं जो दिव्यांग है। जिसका एक पैर चोटिल है। यह फिल्म एक तमिल फिल्म की आधिकारिक रीमेक है। एक साजिद नाडियाडवाला ने सुपरहिट तमिल थ्रिलर ध्रुवंगल पथिनारू के आधिकारिक अधिकार खरीदे थे। सनकी उसी फिल्म का रीमेक है। वे पैन-इंडिया प्लेटफॉर्म के अनुरूप पटकथा को पसंद कर रहे हैं। कहानी में दिखाया जाएगा कि वरुण एक काबिल पुलिस इंस्पेक्टर होते हैं जो एक मिशन में अपाहिज हो जाते हैं। अब उस अवस्था में भी वे कैसे मुश्किल-मुश्किल केस सॉल्व करते हैं, सनकी की कहानी उसी दिशा में आगे बढ़ेगी।

विक्की कौशल के संग रोमांस करती नजर आ सकती हैं सारा अली खान

बॉलीवुड एक्टर विक्की कौशल की फिल्म 'द इम्मोर्टल अश्वत्थामा' अपनी घोषणा के वक्त से ही चर्चा में बनी हुई है। 'उरी : द सर्जिकल स्ट्राइक' के निर्देशक आदित्य धर के साथ विक्की इस फिल्म के प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। अब इस फिल्म से जुड़ी एक ताजा जानकारी सामने आ रही है। खबरों की मानें तो विक्की की इस फिल्म में अभिनेत्री सारा अली खान की एंट्री हो गई है। इस फिल्म में वह विक्की के अपोजिट किरदार में नजर आने वाली हैं। खबरों के मुताबिक, सारा ने इस फिल्म को आधिकारिक तौर पर जॉइन कर लिया है। फिल्म में सारा भरपूर एक्शन करती दिखेंगी। बताया जा रहा है कि सारा इस फिल्म में अपनी भूमिका के हिसाब से खुद को ढालने के लिए ट्रेनिंग ले रही हैं। यह एक एक्शन आधारित फिल्म है, जिसके लिए विक्की भी खूब मेहनत कर रहे हैं। फिल्म का निर्देशन आदित्य करेंगे, जबकि रॉनी स्क्रूवाला फिल्म को प्रोड्यूस करेंगे। हाल में जानकारी समाने आई थी कि विक्की फिल्म के लिए अपना वजन 120 किलो तक बढ़ाएंगे।